'सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन' के संबंध में 'अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम' से जुडे विभिन्न मुद्दों का प्रचार-प्रसार करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के माध्यम एककों द्वारा किए गए प्रचार कार्य पर की गई कार्रवाई संबंधी नोट
जुलाई 2017- सितंबर 2017

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी)

- पत्र सूचना कार्यालय प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के अंतर्गत अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर नियमित रूप से विज्ञप्तियों/फीचर्स का प्रकाशन करता रहा है।
- उक्त विषय पर विभिन्न क्षेत्रों से 270 प्रेस रिलीज तथा 11 फीचर्स जारी किए गए।
- पत्र सूचना कार्यालय द्वारा वार्तालाप का आयोजन किया गया है जिसमें प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम को शामिल किया गया है।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय (डीएफपी)

- क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के क्षेत्रीय प्रचार एककों ने देश के विभिन्न भागों में अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु प्रधानमंत्री महोदय के 15 सूत्रीय कार्यक्रम की थीम पर कई प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों का आयोजन किया है।
- अभियान का मुख्य बल लक्षित लाभार्थियों की सक्रिय सहभागिता के साथ अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में सरकार की फ्लैगशिप स्कीमों अर्थात 'स्वच्छ भारत मिशन', 'प्रधानमंत्री जन-धन योजना', 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना', 'अटल पेंशन योजना', 'स्किल इंडिया मिशन', 'ग्रामोदय से भारत उदय' पर था।
- निदेशालय ने लक्षित दर्शकों/श्रोताओं के साथ संलग्न कार्यकलापों में समूह चर्चाओं, प्रश्नोत्तर सत्रों, सार्वजनिक बैठकों तथा फिल्म शो जैसे विभिन्न फॉर्मेटों का उपयोग किया।
- निदेशालय ने सरकार की फ्लैगशिप स्कीमों पर रैलियों, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, समूह चर्चा आदि सहित 44 विशेष पहुंच कार्यक्रमों (एसओपी) तथा 232 अन्य कार्यकलापों का आयोजन किया।
- निदेशालय ने उक्त तिमाही के दौरान देश भर में कई अल्पसंख्यक बहुल गांवों में अपने प्रचार कार्यक्रमों के जरिए 73.81 हजार से अधिक लोगों (लगभग) को सरकारी नीतियों की जानकारी देने का कार्य किया।

गीत और नाटक प्रभाग

- गीत और नाटक प्रभाग ने लाइव मीडिया जैसे नाटक, लोक गीत, कठपुतली कला आदि के जरिए भीतरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है।
- अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की रिपोर्ट के कार्यान्वयन के लिए प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं से जुडे संदेशों का प्रभावी ढंग से संचार करने हेतु इन कार्यक्रमों को स्थानीय भाषाओं तथा बोलियों में प्रस्तुत किया जाता है।
- उक्त प्रभाग ने सितंबर 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 639 प्रचार-प्रसार कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे।

<u>विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी)</u>

- यह निदेशालय उसके पास उपलब्ध भारत सरकार की विभिन्न स्कीम, निधियों, छात्रवृत्तियों आदि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े विषय पर अखिल भारतीय आधार पर समय-समय पर विज्ञापन जारी करता रहा है।
- विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने जून 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान 573 समाचार पत्रों में 8 विज्ञापन का प्रकाशन किया।
- समाचार पत्र के विज्ञापन "छात्रवृत्ति स्कीम, अल्पसंख्यक, सीखो और कमाओ" की थीम पर प्रकाशित किए गए।
- डीएवीपी ने उक्त विषय पर सितंबर 2017 को समाप्त तिमाही के लिए बाह्य मीडिया, डिजिटल सिनेमा, प्राइवेट एफएम तथा टीवी में किसी प्रकार का अभियान नहीं चलाया/ उनमें प्रचार प्रसार नहीं किया।

<u>आकाशवाणी</u>

- सभी आकाशवाणी केंद्रों ने 'अल्पसंख्यकों के कल्याण पर समुचित कार्यक्रम तैयार करके उक्त विषय का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।
- कई फॉर्मेटों का प्रयोग किया गया जिसमें वार्ता, कंपेरिंग, चर्चा, साक्षात्कार, जिंगल्स, स्पॉट्स, रेडियो रिपोर्ट्स, टॉकलेट्स, स्पॉट रिकॉर्डिंग आधारित कार्यक्रम आदि शामिल थे।
- कार्यक्रमों का मुख्य बल 15 सूत्रीय कार्यक्रम तथा सच्चर समिति की रिपोर्ट के विभिन्न घटकों के बारे में जागरुकता में वृद्धि करना था।
- उक्त तिमाही के दौरान आकाशवाणी केंद्रों द्वारा कुल 446 कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया।

<u>दूरदर्शन</u>

- देशभर में विभिन्न दूरदर्शन केंद्र अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न फॉर्मेटों के जरिए प्रधानमंत्री महोदय के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम पर कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं।
- कार्यक्रमों के फॉर्मेट में चर्चाएं, डाक्यूमेंटरी फीचर, टीवी रिपोर्ट, साक्षात्कार, पैनल चर्चा आदि शामिल हैं।

*****

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
राज्य-वार तिमाही प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर) जुलाई 2017 से सितंबर 2017

क्र. सं.	राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के नाम	डीएफपी द्वारा आयोजित कार्यकलापों की संख्या	पीआईबी द्वारा आयोजित वार्तालापों की संख्या	आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या	गीत और नाटक प्रभाग द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या	डीएवीपी द्वारा प्रिंट मीडिया पर प्रतिबद्धता राशि (रु. में)	दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	-	-	-	-	45,973	-
2	आंध्र प्रदेश	37	-	6	-	7,30,241	-
3	तेलंगाना		-	-	-	25,46,030	14
4	अरुणाचल प्रदेश	0	-	-	22	1,67,235	-
5	असम	0	-	8	261	6,89,854	-
6	बिहार	0	1	31	-	21,01,170	6
7	चंडीगढ़	8	-	-	-	6,14,048	8
8	छत्तीसगढ़	0	-	-	-	15,93,161	-
9	मध्य प्रदेश	16	-	-	-	50,59,647	6
10	दादरा और नगर हवेली	-	-	-	-	2,38,528	-
11	दमन और दीव	-	-	-	-	1,29,779	-
12	गुजरात	14	-	198	-	38,64,559	-
13	जम्मू और कश्मीर	0	2	-	-	19,33,641	-
14	झारखंड	17	-	-	-	15,45,873	1
15	कर्नाटक	0	1	-	-	21,87,331	2
16	केरल	40	-	-	-	15,29,960	8
17	लक्षद्वीप		-	-	-	-	-
18	महाराष्ट्र	0	-	21	59	60,20,098	-
19	गोवा		-	-	-	1,27,873	-
20	मिजोरम	0	-	-	7	73,375	-

21	मेघालय		-	-	20	1,29,130	2
22	त्रिपुरा		-	-	5	3,00,755	9
23	नागालैंड	0	-	-	10	1,59,571	-
24	मणिपुर		-	-	67	1,56,726	-
25	पंजाब	-	-	-	-	15,23,677	-
26	हिमाचल प्रदेश		1	-	-	2,86,000	4
27	हरियाणा		1	-	83	12,58,705	-
28	दिल्ली		-	-	61	49,02,781	-
29	ओडिशा	0	-	64	-	24,10,945	-
30	पुद्दुचेरी	-	-	-	-	27,850	-
31	राजस्थान	110	-	-	-	46,60,258	-
32	तमिलनाडु	0	-	55	-	16,94,873	-
33	उत्तराखंड	0	-	-	24	11,91,194	-
34	उत्तर प्रदेश	16	2	15	20	78,30,641	23
35	पश्चिम बंगाल	18	-	48	-	18,78,651	9
36	सिक्किम		-	-	-	1,58,361	-